ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-08-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-08-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-08-15	2026-08-16	2026-08-17	2026-08-18	2026-08-19
वर्षा (मिमी)	30.0	35.0	60.0	25.0	25.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	32.0	31.0	30.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	95	95	94	96
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	79	81	81
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	3	4	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	120	110	130	140	150
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	7	8	8	7
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (7-13 जुलाई) 19.2 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.5 से 35.6 डिग्री सेल्सियस और 25.3 से 27.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 79-92% और 57-78% के बीच रही। हवा पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पूर्व-उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशाओं से 1.6-9.1 किमी प्रति घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिन मौसम गर्म, उमस भरा और साफ़ रहा। आने वाले हफ़्ते में 25-60 मिमी भारी से बहुत भारी बारिश होने और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-34.0 डिग्री सेल्सियस और 22.0-25.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा के दक्षिण-पूर्व-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण दिशाओं से 3-7 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। 14, 15, 17 और 18 अगस्त को भरी से बहुत भारी बारिश के लिए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है, जबकि 16 अगस्त को आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

तेज़ बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना को लेकर येलो वॉर्निंग।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तेज़ हवाओं और बारिश के कारण खेतों में पानी भर सकता है, खेती के नियमित कामों में रुकावट आ सकती है, और तोड़ी हुई बागवानी की फसल गिरकर खराब हो सकती है। खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें, भारी बारिश के बाद खेती के काम कुछ समय के लिए टाल दें और सिंचाई न करें, क्योंकि तेज़ हवाओं से फसलें गिर सकती हैं। तोड़ी हुई फसल को अच्छी तरह से स्टोर करें या तुरंत बिक्री के लिए भेज दें।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए "मौसम" और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान के मुताबिक, 14.08.2026 से 20.08.2026 के दौरान ज़्यादा बारिश और सामान्य अधिकतम व न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। एनडीवीआई ज़िले में खेती की स्थिति को अच्छी दिखाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुमान के अनुसार, आने वाले हफ़्ते में भारी से बहुत भरी बारिश हो सकती है, इसलिए खेती से जुड़े सभी काम टाल देने चाहिए और खेतों में पानी की निकासी का उचित इंतज़ाम करना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फ़सल में खरपतवार हटाने और यूरिया डालने का काम अभी टाल देना चाहिए और इसे भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद के लिए तय करना चाहिए।
गन्ना	पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और सिंचाई से बचना चाहिए क्योंकि इससे फसल गिर सकती है। खेती से जुड़े अन्य कामों को कुछ समय के लिए टाल दें।
मक्का	खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था रखें और बीमारी या कीटों के हमले पर नज़र रखें। किसी भी तरह के केमिकल स्प्रे का छिड़काव अभी न करें और इसे बारिश के बाद के लिए तय करें।
मूँग	खरीफ़ मूंग की बुवाई का काम बारिश के बाद पूरा किया जा सकता है। पहले से बोई गई फ़सल में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और मौसम के अनुमान को देखते हुए निराई-गुड़ाई (खरपतवार नियंत्रण के लिए केमिकल का इस्तेमाल) जैसे काम कुछ समय के लिए टाल दें।
काला चना	पहले से बोई गई उड़द की फसल में अंकुरण को नुकसान से बचाने के लिए पानी की सही निकासी की व्यवस्था करें। अनुमानित भारी बारिश को देखते हुए निराई-गुड़ाई (खरपतवार नियंत्रण के लिए केमिकल का इस्तेमाल) के काम को टाल दें और बारिश के बाद के लिए तय करें। बारिश के बाद बुवाई का काम पूरा करें।
सोयाबीन	पहले से बोई गई फसल में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और अगर पौधे खराब हो जाएं, तो बारिश के बाद दोबारा बुआई करें। बाकी बुआई को टाल दें और बारिश के बाद करें।
मूँगफली	खरपतवार नियंत्रण के लिए केमिकल का इस्तेमाल भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद के लिए टाल देना चाहिए। फसल में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और बोरेक्स व जिप्सम का इस्तेमाल भी भारी बारिश के बाद के लिए टाल देना चाहिए।
तिल	भारी बारिश की संभावना को देखते हुए खरपतवार नियंत्रण के लिए केमिकल का छिड़काव और यूरिया का टॉप ड्रेसिंग टाल देना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	भारी बारिश की संभावना को देखते हुए, बीच के मौसम में तैयार होने वाली किस्मों की रोपाई का काम टाल देना चाहिए। साथ ही, जो शुरुआती किस्में पहले ही लगाई जा चुकी हैं, उनमें पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करना चाहिए ताकि छोटे पौधों को नुकसान न पहुँचे।
कद्दू	फसल में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और तोड़े गए कद्दू को अच्छी तरह से स्टोर करना चाहिए या बिक्री के लिए भेजना चाहिए। भारी बारिश की संभावना होने पर केमिकल का इस्तेमाल टाल देना चाहिए।
लौकी	फसल में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और तोड़ी गई लौकी को अच्छी तरह से स्टोर करना चाहिए या बिक्री के लिए भेजना चाहिए। भारी बारिश की संभावना होने पर केमिकल का इस्तेमाल टाल देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पानी से होने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। इससे बचने के लिए, जमा किए गए पानी में 1:1000 के अनुपात में 'रेड ड्रग' जैसी एंटीबैक्टीरियल दवा का इस्तेमाल करें। ब्लीचिंग पाउडर या क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुट-रॉट' (खुर सड़ने की बीमारी) से बचने के लिए, पशुओं के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए।
गाय	पानी से होने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। इससे बचने के लिए, जमा किए गए पानी में 1:1000 के अनुपात में 'रेड ड्रग' जैसी एंटीबैक्टीरियल दवा का इस्तेमाल करें। ब्लीचिंग पाउडर या क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुट-रॉट' (खुर सड़ने की बीमारी) से बचने के लिए, पशुओं के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जल-जमाव, खेती और रोज़मर्रा की आवाजाही में रुकावट, बीमारियों का फैलना और मच्छरों का पनपना।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की संभावित खराबी को देखते हुए कृषि गतिविधियों से बचें या उन्हें स्थगित कर दें। अनावश्यक यात्रा, विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों की यात्रा से बचें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए आसपास को साफ रखें और बीमारियों से बचने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखें।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details